an>

title: Regarding increasing pollution in rivers in western Uttar Pradesh.

डॉ. सत्यपाल सिंह (बागपत) : सभापति महोदय, मेरा मुद्दा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लाखों लोगों के स्वास्थ के प्रति बढ़ते खतरे से है। बागपत, मेरठ, शामली, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, गाजियाबाद जिलों से बहती हुई काली, कृÂष्णा और हिंडन नदियों के पानी में प्रदूÂाण इतना बढ़ गया है कि वहां इनके पानी में पशु-पक्षी भी पदार्पण नहीं करते हैं। वहीं लगभग 40-50 गांवों में भूमिगत जल भी अत्यधिक प्रदूÂित हो गया है। गांवों में प्रदूÂित पानी से कैंसर, हैपाटाइटिस, शारीरिक विकृतियों आदि भयंकर बीमारियां नागरिको में बढ़ रही है। बागपत के गांगनौली, तमेलागढ़ी जैसे गांवों में दर्जनों लोग कैंसर से मर चुके हैं और लगभग सौ से ज्यादा लोग कैंसर से ग्रस्त हैं। नदियों के किनारे चलने वाली चीनी मिल, पेपर मिल एवं बूचड़खानों से निकलने वाले अपशिÂष्ट और गंदगी से इन नदियों का व आसपास के नालों का पानी अत्यंत प्रदूÂिषत हो चुका है। मलकपुर शुगर मिल के पास बहने वाला नाला इतना गंदा है कि उसकी बदबू दूर-दूर तक वातावरण को प्रभावित करती है। जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के पर्यावरण विभाग व नैशनल इंफॉर्मेटिक के जी.आई.एस. डिविजन तथा रिमोट सेंसिंग से पता चला है कि नदियों व नालों का पानी अत्यंत दूÂिषत व खेती के काम का नहीं है। जमीन के नीचे का पानी भी अत्यंत प्रदाष्Âित हो गया है और उसको ठीक करने में दशकों का समय लगेगा।

सभापति महोदय, उत्तर प्रदेश सरकार एवं उसके राज्य प्रदूÂषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों की आपराधिक उपेक्षा एवं भ्रÂष्टाचार के कारण हजारों लोग पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भयंकर बीमारियों से ग्रस्त हैं तथा लाखों नागरिकों एवं पशुओं का स्वास्थ्य खतरे में है।

मैंने इस समस्या के बारे में सरकार को चिट्ठी लिखी थी। मेरा कहना इतना है कि नैशनल ग्रीन ट्रिब्युनल के आदेश के बावजूद भी वहां पर उत्तर प्रदेश सरकार का पॉल्युशन कंट्रोल बोर्ड कोई भी कार्यवाही नहीं कर रहा है। मेरा पर्यावरण मंत्री जी से यह आग्रह है कि जल्दी से जल्दी इस विÂाष्य में कार्यवाही की जाए।

HON. CHAIRPERSON:

Kunwar Pushpendra Singh Chandel,

Shri Sudheer Gupta and

Shri Chandra Prakash Joshi are permitted to associate with the issue raised by Dr. Satya Pal Singh.